मुख्य संरक्षक ट्रस्टी का एक शब्द

आदरणीय जींगर भाइयों और बहनों,

पी.डी. सांखला

मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि श्री के नेतृत्व में। एस.एस. पवार, आईएएस (सेवानिवृत्त) ट्रस्ट ने शानदार प्रदर्शन किया है। काफी मुश्किलों का सामना करने के बाद ट्रस्ट माननीय चायल परिवार से दो दुकानों का भौतिक कब्जा लेने में सफल रहा है। ट्रस्ट ने कुछ अन्य हिस्सों के साथ उपयुक्त स्थान का जीर्णोद्धार किया और 21 मार्च 2021 को सम्मानित संत बगली देवी चायल के हाथों एक लोकार्पण कार्यक्रम में संपत्ति को जींगर समाज के छात्रों आदि के लिए पुनर्निर्मित संपत्ति का उपयोग करने के लिए एक उपयुक्त कार्यक्रम में समर्पित किया।

ट्रस्ट ने समाज संपत्ति के विकास की अपनी महत्वाकांक्षी योजना को पूरा करने के लिए ट्रस्ट सदस्यता राशि के अलावा भामाशाह से दान से बड़ी राशि जुटाने में सक्षम है। ट्रस्ट ने जयपुर और भीलवाड़ा में लगभग रु. 50,000 ट्रस्ट इस कोविड-19 महामारी की अवधि के दौरान भविष्य में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अब, ट्रस्ट ने उच्च तकनीकी और पेशेवर शिक्षित व्यक्तियों के साथ मिलकर अपनी ताकत 106 तक बढ़ा दी है। इसलिए हम आशा करते हैं कि बढ़ते सामाजिक दबाव के साथ, समाज के नेक काम के लिए जींगर समाज की संपत्ति का बचा हुआ हिस्सा भी खाली हो जाएगा।

बदले हुए परिदृश्य को देखते हुए, हमें नौकरी चाहने वालों से नौकरी देने वालों पर ध्यान केंद्रित करना होगा, नई पीढ़ी को उच्च सिविल सेवाओं के लिए प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है और पेशेवर रूप से स्वरोजगार उन्मुखीकरण के लिए अपने स्वयं के व्यवसाय के दिग्गजों को स्थापित करने के लिए।

यह मुश्किल हो सकता है लेकिन असंभव नहीं। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, हमें एक अखिल भारतीय चरित्र संगठन के रूप में अपने सभी उपलब्ध संसाधनों और ज्ञान का उपयोग करके दृढ़ संकल्प के साथ अपने लोगों का ध्यान हटाने के लिए विशेष राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करना होगा।

सादर और शुभकामनाओं के साथ

माननीय न्यासी पी.डी. सांखला

(एम) 941356632

ई-मेल: jeegarpdsankhala@gmail.com

ऑल इंडिया जेंगार

चैरिटेबल एंड डेवलपमेंट ट्रस्ट, जयपुर मूल से आज तक पी.डी. सांखला मुख्य संरक्षक न्यासी क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ग्रेड-1 (सेवानिवृत्त)

6 जनवरी, 2008 पूरे देश में जींजर समाज के अखिल भारतीय जन चैरिटेबल और विकास ट्रस्ट के इतिहास में लाल अक्षर का दिन है। यह वह दिन था जिस दिन जींगर समाज की अखिल भारतीय चरित्र कानूनी इकाई ने अपना कामकाज शुरू किया था।

इस अवसर पर श. एस.आर. जींगर संस्थान के अध्यक्ष जोया ने ट्रस्ट के पदाधिकारियों यानी कार्यकारी निकाय को शपथ दिलाई। श्री। एसएस पवार ने ट्रस्ट के पहले अध्यक्ष की शपथ ली। शपथ लेने वाले अन्य लोगों में शामिल हैं, श्री। पी.डी. सांखला मुख्य संरक्षक ट्रस्टी के रूप में, श्री। गोविंद राम सोंगरा और डॉ. यू.सी. सांखला उपाध्यक्ष के रूप में, श्री। संपत लाल पंवार, सचिव के रूप में और श्री। रमेश चंद डाबी, कोषाध्यक्ष के रूप में। इस अवसर पर उपस्थित अन्य न्यासी श्रीमती थीं। ललिता देवी सांखला और श्रीमती। विद्या देवी पवार

इस अवसर पर उपस्थित अन्य बड़े गणमान्य व्यक्ति श्री थे। गुलाब चंद जी चौहान, एक वयोवृद्ध, जयपुर की सोसायटी इकाई। श्री। एमएल सांखला, जींगर संस्थान, जयपुर के महासचिव थे। श्री। बी.एम. चौहान, श. आर.के. गहलोत और श्री पोकर चंद राठौर जींगर संस्थान के सदस्य और श्री। इस अवसर पर भंवर लाल खिंची संपादक एवं प्रकाशक, जींगर समन्वय, कोटा भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर उपस्थित अन्य लोगों में देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में सामाजिक गणमान्य व्यक्ति भी शामिल थे।

यह अनूठा आयोजन जयपुर के प्रसिद्ध "रतन बाग" में हुआ था, जो 14वें वार्षिक सम्मेलन का स्थल था और जयपुर के जींगर संस्थान के छठे युवा युवा परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

ट्रस्ट के निर्माता जींगर संस्थान जयपुर थे, इसलिए इसके पदाधिकारियों ने 21 मई 2008 को जयपुर में दस्तावेजों के रजिस्ट्रार के कार्यालय में भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1882 के प्रावधान के तहत अपना संविधान और ट्रस्ट डीड पंजीकृत कराया। इसका मुख्यालय 13/4, मालवीय नगर, जयपुर- 302017 में रखा गया था।

पहले संस्थापक पदाधिकारियों और न्यासियों की तुलना में विवरण इस प्रकार थे:

1. मुख्य संरक्षक न्यासी	श्री पी.डी. सांखला, जयपुर
2. संरक्षक ट्रस्टी	स्वर्गीय श्री राम चंद्र खत्री, जयपुर
3. अध्यक्ष	श्री. स्वरूप सिंह पंवार, जयपुर
4. उपाध्यक्ष	श्री. गोविंद राम सोंगारा, जोधपुर
5. उपाध्यक्ष	श्री. जे.सी.जींगर, कानपुर (उ.प्र.)

6. उपाध्यक्ष	डॉ. यू.सी. सांखला, जयपुर
7. उपाध्यक्ष	डॉ. एम.सी. सोंगारा, भोपाल
8. सचिव	श्री. संपत लाल पंवार, जयपुर
9. संयुक्त सचिव	स्वर्गीय श्री. कन्हैया लाल सांखला, जयपुर
10. कोषाध्यक्ष	स्वर्गीय श्री. रमेश चंद डाबी, जयपुर
11. ट्रस्टी	श्रीमती ललिता देवी सांखला, जयपुर
	श्रीमती विनोद देवी सोंगारा, बीकानेर
	श्री. जगदीश चंद चौहान, जयपुर
	श्रीमती विद्या देवी पवार, जयपुर
	श्री. बी.पी. चौहान, जयपुर एवं
	श्री. नंद लाल जींगर, जयपुर

संविधान की कुछ विशेष विशेषताएं इस प्रकार हैं:

(क) चूंकि जीवन संस्थान ट्रस्ट का निर्माता है, इसलिए संस्थान को सम्मान देने के लिए, इसके संविधान में एक विशेष प्रावधान किया गया था कि समय-समय पर पदाधिकारियों में से स्थायी आमंत्रितों के रूप में।

(बी) इसके गठन में विवाद समाधान की एक अंतर्निहित व्यवस्था की गई है

जिसमें किसी भी विवाद की स्थिति में मुख्य संरक्षक न्यासी या उनकी अनुपस्थिति की स्थिति में संरक्षक न्यासी विवाद का समाधान करेंगे, जो सभी संबंधितों के लिए अंतिम और बाध्यकारी होगा।

(ग) ट्रस्ट के उद्देश्यों और उद्देश्यों में समाज के उत्थान के लिए, विशेष रूप से छात्रों और नौकरी चाहने वालों आदि के लिए शैक्षिक गतिविधियों, प्रशिक्षण, कोचिंग, कौशल विकास और परामर्श कक्षाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता देना शामिल है।

(घ) छात्रावासों, शैक्षणिक संस्थानों और जींजर समाज भवनों के निर्माण के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर।

(ई) उपरोक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, ट्रस्ट राज्य सरकार और अन्य स्रोतों से आवश्यक भूमि का आवंटन प्राप्त करने का प्रयास करेगा।

(एफ) उचित सुरक्षा विकास रखरखाव और प्रबंधन के लिए जींगर समाज की भूमि और भवनों का अधिग्रहण, संबंधित समाज, यदि ऐसा है तो भारत में कहीं भी ऐसी संपत्तियों को ट्रस्ट को सौंप सकता है, जिसमें जयपुर जींगर समाज मंदिर, दुकानें और अन्य ऐसे परिसर (परिसर गुण) आदि शामिल हैं।

प्रतीक चिन्ह उद्देश्य और उद्देश्य विस्तार से ट्रस्ट के संविधान में परिकल्पित हैं।

एक कहावत है कि "आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है।" जीवनर समाज के गणमान्य व्यक्तियों के कुशल नेतृत्व में एक प्रभावी और मजबूत निकाय बनाने के विचार की उत्पत्ति का पता उस घटना से लगाया जा सकता है, जहां जींगर समाज संपत्ति पुलिस के चंगुल में चली गई थी। स्थानीय पुलिस ने इलाके में जींगार समाज के लोगों की सुरक्षा के नाम पर अपनी चौकी लगा दी.

इस अवसर पर, जयपुर जीवनर समाज पंचायत के दिग्गजों ने हमारे अध्यक्ष श्री के नेतृत्व में अखिल भारतीय जीवनर क्लब (ऐज क्लब) की बैठक के दिन हमसे संपर्क किया। पी.डी. सांखला जयपुर में अपना वार्षिक अधिवेशन आयोजित कर रही थी। एआईजे क्लब ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की और जीवनर समाज संपत्ति को पुलिस हिरासत से मुक्त करने के लिए तुरंत पुलिस अधिकारियों से संपर्क करने का फैसला किया। इसके अध्यक्ष श्री के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल। पी.डी. सांखला ने पुलिस अधीक्षक जयपुर श्री से मुलाकात की। फिरोज खान। उन्होंने हमें सुनने के लिए धैर्य दिया। उन्होंने इस तथ्य का पता लगाने के लिए केवल दो दिन का समय चाहा कि मौसम के अनुसार संपत्ति वास्तव में जीनेगर समाज की है या नहीं। तथ्यों का पता लगाने के बाद, उन्होंने हमें समाज संपत्ति का कब्जा वापस लेने के लिए एक संदेश भेजा। हमने कब्जा कर लिया और इसके कब्जे को प्रमुख समाज दिग्गज श्री के पास बहाल कर दिया। गुलाब चंद जी चौहान। तत्पश्चात जयपुर जींजर समाज पंचायत ने समय-समय पर अपना नेतृत्व बदला। अंततः श. जयपुर में समाज के एक वयोवृद्ध माननीय गणमान्य व्यक्ति राम चंद्र जी खत्री को इसका अध्यक्ष बनाया गया था। अपने सर्वसम्मत चुनाव के तुरंत बाद, श्री। रामचंद्र खत्री ने इसके निवर्तमान अध्यक्ष से कार्यभार ग्रहण किया। श्री। ओम प्रकाश सांखला 10.03.1991 को। उन्होंने सोलह वर्षों से अधिक समय तक सफलतापूर्वक काम करना जारी रखा। इस बीच समाज के कुछ प्रतिनिधियों ने शिकायत के साथ उनसे संपर्क किया कि हमारे अपने समाज के एक व्यक्ति श्री। मधु सोलंकी बांग्लादेश के किरायेदारों से किराया वसूल कर रहा था और उसने अनधिकृत निर्माण किया था और वह संपत्ति को अपना निजी परिसर मान रहा था और 6 से 7 किरायेदारों से रुपये का किराया वसूल रहा था। 15 से 20 हजार प्रति माह। श्री। रामचन्द्र जी खत्री ने दिनांक 08.01.2006 को आयोजित मासिक बैठक में तत्काल इसे जींगर संस्थान के संज्ञान में लाया।

08.01.2006 को अपनी बैठक में संस्थान को बहुत बुरा लगा। इसने मधु सोलंकी, श्री की कार्रवाई की निंदा की। एन.के. सोलंकी ने सुझाव दिया कि श्री की अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए। मधु सोलंकी, समाज की संपत्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं। इसका नियंत्रण जींगर संस्थान के अधीन करना चाहिए। डॉ. यू.सी. सांखला और श. पंकज चौहान ने सुझाव दिया कि इसका निर्णय जयपुर जींजर समाज पंचायत द्वारा किया जाना चाहिए। चर्चा के बाद श्री. खत्री को जयपुर जींजर समाज पंचायत की संयुक्त बैठक बुलाने की सलाह दी गई। 28.5.2006 को जींगर समाज परिसर में ही जींगर संस्थान और जयपुर के अग्रणी जींगर समाज महापुरूष जींगर समाज। उक्त बैठक में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

बैठक में श्री की अवैध कार्रवाई। मधु सोलंकी की निंदा की गई। श्री। इस अवसर पर मधु सोलंकी ने अपने इस कृत्य पर खेद प्रकट किया और वादा किया कि एक माह के भीतर जींगर समाज परी सर, दस्तावेज तथा किराया वसूली का लेखा-जोखा एक माह के भीतर सौंपने का वचन दिया है।

एस.एच. के आश्वासन पर मधु सोलंकी श. रामचंद्र जी खत्री ने 25.06.2006 को एक और बैठक बुलाई। बड़ी संख्या में जींगर संस्थान, जयपुर जींगर। इसमें समाज पंचायत व अन्य लोगों ने भाग लिया। श्री से मिलकर एक पांच सदस्यीय समिति। पूरन मल कछवा, श्री. सीता राम चौहान, श्री. पंकज चौहान, श्री. चुन्नी लाल चायल और श्री. घनश्याम चायल को आगे की कार्रवाई के लिए गठित किया गया था। 25.06.2006 बैठक में श्री. मधु सोलंकी ने 28-05-2006 की बैठक में कोई आश्वासन देने के लिए प्वाइंट ब्लैंक इनकार कर दिया। बल्कि उसने बांग्लादेश के कुछ किरायेदारों की मिलीभगत से समाज के गणमान्य व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की व्यवस्था की:

02-05-2007 को इन सभी कठिनाइयों को देखते हुए श्री. रामचंद्र खत्री के अनुसार, उन्होंने बार-बार जीवन संस्थान पर एक ट्रस्ट बनाने का आग्रह किया, ताकि जीवनर समाज की गाढ़ी कमाई को समाज को और अंततः ट्रस्ट को सौंप दिया जा सके।

इसी के तहत 2 मई 2007. को बुद्ध पूर्णिमा पर जींगर संस्थान न्यास के गठन की प्रक्रिया शुरू हुई ।

जीवन संस्थान ने समाज मीडिया, समाज पत्रिकाओं के माध्यम से व्यापक प्रचार करने के लिए हर संभव प्रयास किया। पत्रिकाओं और जींगर सोसाइटी से ट्रस्ट के अधिकतम संभव सदस्य बनने की अपील की।

रु. 5100/- ट्रस्ट सदस्यता के रूप में निर्धारित किया गया था। समाज से आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 05-08-2007 तक आमंत्रित की गई थी। इस समय। डॉ. यू.सी. सांखला ने फीस राशि कम करने का सुझाव दिया। विस्तृत विचार-विमर्श के बाद रु. 5100/- को बरकरार रखा गया और फिर से अंतिम रूप दिया गया।

इसके बाद जींगर संस्थान ने व्यापक प्रचार किया, लेकिन 9 जून 2007 तक ट्रस्ट सदस्यता के लिए केवल छह व्यक्ति आगे आए, जिसमें श्री शामिल हैं। पी.डी. संखुला, श्रीमती. ललिता देवी सांखला। श्री। नंद लाल डाबी, श्री रमेश चंद डाबी और श्री। के.एल. सांखला। 09-06-2006 को आयोजित बैठक में जींगर संस्थान द्वारा उनका स्वागत और ट्रस्टी के रूप में स्वीकार किया गया। न्यास सदस्यता की तिथि 10 सितम्बर 2007 तक बढ़ा दी गई थी। पुनः आवेदन प्राप्त करने की तिथि 20-10-2007 तक बढ़ा दी गई और अन्य सभी औपचारिकताओं को 20-10-2007 तक ही पूरा कर लिया गया।

ट्रस्ट डीड और ट्रस्ट संविधान का मसौदा श्री द्वारा तैयार और प्रस्तावित किया गया था। पी.डी. सांखला को दिनांक 20-10-2007 को आयोजित जींगर संस्थान की बैठक में उपस्थित सभी जीवर संस्थान सदस्यों द्वारा अपनाया और हस्ताक्षरित किया गया था। श्रीमती द्वारा उक्त बैठक में विलेख और उसके संविधान को पढ़ा गया। गोद लेने से पहले उषा जोया।

ट्रस्ट डीड को अंतिम रूप दिया गया था जिसे रुपये के स्टांप पेपर पर टाइप किया गया था। 100/- और सभी संबंधितों ने 20-10-2007 को ही हस्ताक्षर किए। श्री द्वारा फोन पर सहमति लेने के बाद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों को नामित किया गया था। पी.डी. सांखला। मुख्य संरक्षक न्यासी और संरक्षक न्यासी का पद उनकी सहमति के बाद भरा गया था और उन्हें तीन वार्षिक चुनावों के पूर्वावलोकन से संवैधानिक पदों के रूप में शामिल किया गया था।

सबसे पहले, श्री. पी.डी. सांखला ने रुपये का चेक सौंपा। 11 अप्रैल 2009 को आयोजित एक समारोह में 51,000/- : उसके बाद श्री. एसएस पवार और श्री. संपत लाल पंवार ने रुपये के अपने दान की घोषणा की। 51,000/- प्रत्येक। की पहली बैठक ट्रस्ट 20-10-2007 को श्री के निवास पर आयोजित किया गया था। एस.आर. जोया की

अध्यक्षता श्री बी.पी. चौहान, ट्रस्टी इस प्रकार ट्रस्ट का गठन विधिवत रूप से पूरा हो गया था, ट्रस्ट डीड 21 मई 2008 को पंजीकृत हो गया था।

श्री। जयपुर जींगर पंचायत की बैठक की श्रृंखला के बाद लिए गए निर्णय के बाद, राम चंद्र जी खत्री ने जयपुर जींगर पंचायत की संपत्ति को अपने अध्यक्ष के रूप में स्थानांतरित कर दिया, जिसमें श्री के आवास पर 17-08-2006 को हुई अंतिम आपातकालीन बैठक शामिल है। रामचंद्र खत्री

संपत्ति हस्तांतरण विलेख पर श्री द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। जयपुर जींगर पंचायत की ओर से रामचंद्र खत्री इसके अध्यक्ष एवं श्री. पी.डी. सांकलियाला, ट्रस्ट की ओर से दिनांक 04-09-2008 को उप पंजीयक जयपुर के समक्ष विधिवत पंजीकृत, बगरू वालों का रास्ता, चांदपोल बाजार, जयपुर में स्थित जीवनर समाज पंचायत संपत्तियों का पूरा विवरण देते हुए।

जींगर संस्थान ने माननीय समाज संत बगदा रामी जी महाराज से इसके उपयोग के लिए प्राप्त 1,05,000 / - की राशि + 81,600 / - 16 ट्रस्टियों से प्राप्त कुल रु। 1,86,600/- और + रु. 51,000/- श्री द्वारा दान किया गया। पी.डी. कॉर्पस के लिए सांखला। ट्रस्ट का फंड अपना कामकाज शुरू करने के लिए...

श्री की भूमिका। एसएस पवार रुपये का दान लेने में महत्वपूर्ण थे। 1,05,000/हमारे समाज संत श्री से। बगड़ा राम जी महाराज, सिंधरी। हम श. एसएस पवार, श्री. पी.डी. सखाला, श. एन.के. सोलंकी, श. एम.आई.. सांखला, हमने श्री. पोकर चंद राठौर एवं श्री. तीर्थ राज असेरी से सिंधरी महाराज श्री ने हमारा स्वागत किया, और हमारे सम्मान में हमें रुपये की राशि दी। 1,05,000/- एक स्थानीय समारोह में मौके पर।

श्री के नेतृत्व में ट्रस्ट। एसएस पवार ने जबरदस्त प्रगति की है। अपना कामकाज शुरू करने के तुरंत बाद, हमारा प्रयास था कि समाज संपत्ति का कब्जा सौहार्दपूर्ण तरीके से प्राप्त किया जाए। ट्रस्टियों के गंभीर प्रयासों के अलावा, हमने अपने सामाजिक गणमान्य व्यक्तियों की मदद से सभी प्रयास किए। श्री की अध्यक्षता में एक अधिकार प्राप्त समिति। ओपी सांखला का गठन किया गया था। कमेटी ने मामले को सुलझाने के लिए कई प्रयास किए। अंत में, इसने 19-10-2008 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। यह दर्शाता है कि कोई निकाय नहीं आया और कानूनी कार्रवाई करने की सलाह दी।

"इसके बाद फिर से श्री मिलन कुमार जोहिया, श्री पंकज चौहान, श्री सीताराम चौहान और श्री गुलाब चंद सोलंकी की अध्यक्षता में ऐसी समितियां बनाई गईं, लेकिन व्यर्थ।

इस प्रकार ट्रस्ट को श्री के खिलाफ एडीजे कोर्ट में कानूनी मामला दर्ज करने के लिए मजबूर होना पड़ा। चायल ब्रदर्स और श. मधु सोलंकी।

बाद में श. बी.एम. चायल, उनकी माँ श्रीमती का सम्मान करती थीं। बागमाली देवी और उनके भाइयों को श्री द्वारा मनाया गया। एसएस पवार, अध्यक्ष एवं श्री. परिणाम के साथ सचिव संपत लाल पंवार ने 11-112018 को उदारतापूर्वक खाली कर उनके नियंत्रण में आने वाली दो दुकानों (पिछले 90 वर्षों से) का कब्जा सौंप दिया। एक बड़े समारोह में उन्हें ट्रस्ट द्वारा सम्मानित किया गया. ट्रस्ट ने उनके खिलाफ दायर कानून की अदालत से एक मामला वापस ले लिया।

कोर्ट ने दी मंजूरी :

एसएच के खिलाफ मामला मधु सोलंकी अभी भी जारी है। वह अभी भी जीनेगर सोसाइटी के खिलाफ शरारत कर रहा है। ट्रस्ट जींगर समाज की संपत्ति को जल्द से जल्द खाली कराने के प्रयास जारी रखेगा।

चायल परिवार से कब्जा मिलने के तुरंत बाद ट्रस्ट को मिल गया। रुपये की लागत से लेट बाथ, लाइट, पानी की सुविधा के साथ पुनर्निर्मित। 4,50,000/-. संपत्ति का जीर्णोद्धार कराने के दौरान कुछ मुस्लिम पड़ोसियों ने इसका विरोध किया और उनके अनुयायी भी हमसे लड़ने आ गए। तथाकथित। जींगार पंचायत के दिग्गज मौके से भागे : सिर्फ श. पी.डी. सांखला और श. संगीत का सामना एसएस पवार ने किया। हम थाने गए और उक्त दोषियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मीट की दुकान के मुख्य अपराधी मालिक को निर्माण पर आपत्ति करने से रोकने के लिए थाने बुलाया गया था। हमारे द्वारा 2-3 बार फॉलोअप एक्शन भी किया गया। नवीनीकरण निर्माण जारी रखने के लिए केवल उन्हें चुप कराया जा सकता था।

ट्रस्ट ने महसूस किया कि ट्रस्ट को एक मजबूत निकाय बनाने की तत्काल आवश्यकता है। इसने न्यासियों की संख्या को 21 से बढ़ाकर 200 करने का निर्णय लिया। ऐसे अन्य संशोधनों के साथ संविधान में आवश्यक संशोधन किया गया और इसे 20-02-2020 को उप-पंजीयक, जयपुर के कार्यालय में पंजीकृत किया गया। श्री। एसएस पवार, श्री. संपत लाल पंवार, श्री. पी.डी. संशोधन दर्ज कराने के लिए सारिखला सब-रजिस्ट्रार के समक्ष पेश हुई।

ट्रस्ट ने ट्रस्टियों की संख्या बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया। श्री के प्रयास। एसएस पवार फिर से अत्यधिक प्रशंसनीय थे। ट्रस्ट ने 85 नए ट्रस्टियों को नामांकित किया, जिनकी कुल संख्या 106 तक पहुंच गई। ट्रस्ट का अभियान है। 200 न्यासी प्राप्त करने के लिए जारी है।

ट्रस्ट समाज संपत्ति के निर्माण और विकास के अपने महत्वाकांक्षी सपने देख रहा है। इसलिए हमने दान के संग्रह के लिए समाज को संगठित किया। ट्रस्ट के प्रयासों के अच्छे परिणाम निम्न प्रकार से मिले।

भामाशाह की क्रम सूची - दाताओं दाता का नाम

1	स्वर्गीय महाराज श्री बगदारामजी	सिंधरी	1.05.000
2	पी.डी. सांखला	जयपुर	1,01,000
3	स्वरूप सिंह पवार	जयपुर	1,21,000
4	अशोक, अर्जुन, महेश।	जोधपुर	1,11,151
5	संपत लाल पंवार	जयपुर	51,000
6	ललिता देवी सांखला (माता-पिता श्रीमती लिच्छमा और प्रभु सिंह राठौर की मधुर स्मृति में)	जयपुर	

7	दखी देवी	बिलदा	25,000
8	रामा देवी	तारानगरी	21,000
9	नवीन खत्री	नई दिल्ली	21,000
10	चंद्र कांता बालोत	कोटा	21,000
11	सावन कुमार चायल	संगरिया	21,000
12	भगवती देवी	जोधपुर	15,555
13	दुर्गा संकल	जोधपुर	11,111
14	कमला कच्छवाहा	जयपुर	11,000
15	स्वर्गीय गुलाब चंद चौहान	जयपुर	11,000
16	राम कुमार गहलोत	जयपुर	11,000
17	स्वर्गीय रामचंद्र खत्री	जयपुर	11,000
18	स्वर्गीय राम प्यारी	जयपुर	11,000
19	राजेश कुमार सोलंकी	नई दिल्ली	11,000
20	नारायण सिंह चायली	नई दिल्ली	11,000
21	बालक कांवरी	भीलवाड़ा	11,000
22	नाथू राम निर्वाण	हिसार	11,000
23	भंवर लाल जोहिया	श्री कर्णपुर	11,000
24	नरेंद्र सांखला	जयपुर	5,100
25	डॉ. अर्चना सांखला	जयपुर	5,100
26	विमलेश सोंगारा	जोधपुर	5,100
27	रामलाल पंवार (अपने माता-पिता की प्यार भरी याद में)	रायसिंह नगर	5,100
28	केशव कछवाहा	रायसिंह नगर	5,100
29	पवन सांखला (रामेश्वर लाल सांखला की प्रेममयी स्मृति में)	ऐलनाबाद	5,100
30	हरीश दाबी	रायसिंह नगर	5,100

उपरोक्त प्रगति के अलावा, ट्रस्ट ने अखिल भारतीय चरित्र के कर्तव्यों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम को बड़ा बढ़ावा दिया गया। "भामाशाह" से दान ट्रस्ट के माध्यम से जुटाया गया था। हमारे विश्वास अध्यक्ष श्री. एसएस पवार ने बड़े पैमाने पर चंदा जुटाने के लिए अपने अच्छे कार्यालयों का इस्तेमाल

किया। पी.डी. सहित अन्य सभी न्यासी सांखला और श. एस.एल. पंवार ने छात्रवृत्ति कार्यक्रम के लिए बड़े पैमाने पर दान जुटाने के लिए अपनी अत्यधिक सराहनीय भूमिका निभाई। कार्यक्रम को भव्य रूप से सफल बनाने में न्यास सचिव सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे।

उन्होंने प्राप्त दान का पूरा लेखा-जोखा रखा, 'आयकर छूट का दावा करने के लिए दाता को दी गई रसीद और छात्र लाभार्थियों को धन के वितरण की व्यवस्था की। इस तरह ट्रस्ट लगभग रुपये वितरित करने के लिए जिम्मेदार है। 90,00,000/- 2012 के बाद से। इस प्रकार ट्रस्ट ने हमारे वीकअर सेक्शन के छात्रों को उनके बेहतर करियर के लिए मदद करने के लिए उत्कृष्ट और उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की हैं। इसके अध्यक्ष श्री सहित ट्रस्ट के सदस्य। एस.एस.पवार ने अपने निजी खर्च पर लगभग रु. 6,00,000 ऐलनाबाद, (हरियाणा), उनका पैतृक गांव। दूसरों ने सूट का पालन किया। छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम अभी भी जारी है और ट्रस्ट इसे बनाने के लिए प्रतिबद्ध है

भविष्य का कार्यक्रम सफल हमारे आईटी विशेषज्ञ की टीम की मदद से अब तक तीन बार जूम/गूगल मीट से ट्रस्ट को फायदा हुआ है। बैठक में हमारे समाज के लोगों को लॉकडाउन के कारण आ रही कठिनाइयों को देखते हुए ट्रस्ट ने भोजन पैकेट वितरण कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया। अब तक यह पांच जगहों पर हो चुका है। मुख्य संरक्षक ट्रस्टी, अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष ने मुरलीपुरा, खवास जी का रास्ता, हवा महल बाजार के पास और मालवीय नगर में उक्त कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से भाग लिया।

जरूरतमंद व्यक्तियों को इस तरह की सहायता के समान उद्देश्य के लिए, रुपये की राशि। 10000/- भीलवाड़ा में हमारे कार्यकारी सदस्य ट्रस्टी श्री के माध्यम से प्रदान किया गया। गोपाल जी सोलंकी।

कोरोना प्रभावित जरूरतमंद जींजर परिवारों को वित्तीय संसाधनों की सुविधा के लिए। ट्रस्ट ने दान बुलाने वाले संसाधन जुटाए। निम्नलिखित न्यासियों ने निम्नानुसार राशि का दान दिया।

1. श. टीकम दास चौहान, जोधपुर	रु. 6,100/-
2. श्री. पी.डी. सांखला, जयपुर	रु. 5,100/-
3. श्री. एस.एस.पवार, जयपुर	रु. 5,100/-
4. श्री. संपत लाल पंवार, जयपुर	रु. 5,100/-
5. श्री राजेंद्र चौहान, जयपुर	रु. 5,100/-
6. श्री नारायण सिंह चायल, दिल्ली	रु. 5,100/-
7. श्री गोविंद राम गोयल, बालोतरा	रु. 5,100/-
8. श्री जेसी जींगर, जोधपुर	रु. 2,500/-
9. श्री नरेंद्र सांखला, जयपुर	रु. 2,100/-
10. श्री भरत असेरी, जोधपुर	रु. 2,100/-
11. श्री गणेश राम चित्रारा, जोधपुर	रु. 1,500/-

12. श्री पवन सांखला, एलेनाबाद रु. 1,100/-

13. श्री पंकज चौहान, जयपुर रु. 1,100/-

14. श्री नरेंद्र सांखला, जोधपुर रु. 1,100/-

15. श्री नवीन जींगर, किशनगढ़/ दिल्ली - रु. 1,100/-

लोकार्पण कार्यक्रम एवं निर्वाचन कार्यक्रम के आयोजन हेतु न्यास निधि पर कम से कम भार पड़ने की दृष्टि से न्यासियों/भामाशाह से चंदा प्राप्त करने का निर्णय लिया गया। इस प्रकार प्राप्त दान इस प्रकार है:

1. श. स्वरूप सिंह पवार, जयपुर रु. 5,000/-

2. श्री. पी.डी. सांखला, जयपुर रु. 5,000/-

3., श्री. एस.एल. पंवार, जयपुर रु. 2,100/-

4. श्री. सीता राम चौहान, जयपुर रु. 1,100/-

5. श्री. नरेंद्र सांखला, जोधपुर रु. 1,600/-

6. श्री. भरत असेरी, जोधपुर रु. 1,100/-

7. डॉ. महेंद्र बालोत, चित्तौड़गढ़ रु. 21,000/-

ट्रस्ट ने 21-03-2021 को होटल महारानी प्राइम, सिंधी कैंप जयपुर के पास एक समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन शानदार तरीके से किया गया। संयुक्त रूप से श्री. एस.एल., पंवार और श्री. नरेंद्र सांखला। एस.एल. पंवार ने ट्रस्ट की प्रगति रिपोर्ट पेश की। उपस्थित सभी न्यासियों एवं भामाशाहों को माला एवं साफा तथा शोल आदि महिलाओं से सम्मानित किया गया। एसएस पवार और श्री. पी.डी. सांखला संबोधित भीड़। आदरणीय श्रीमती इस अवसर पर बाघमाली देवी जी ने भी अपना आशीर्वाद दिया।

इसके बाद ट्रस्ट की कार्यकारिणी के चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से कराए गए। श्री। एमएल सांखला को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया था। उन्होंने स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से चुनाव संपन्न कराए:

श्री एमएल सांखला ने घोषित किए चुनाव के नतीजे:-

1. श. स्वरूप सिंह पवार, जयपुर, निर्विरोध अध्यक्ष के रूप में

2. श्री. संपत लाल पंवार, जयपुर निर्विरोध सचिव के रूप में

3. श्री. राजेंद्र चौहान, जयपुर निर्विरोध कोषाध्यक्ष के रूप में

उप - राष्ट्रपतिगण

1. श. टीकम दास चौहान, जोधपुर 30 वोट चुने गए

2. श्री. नारायण सिंह चायल, दिल्ली 28 वोट चुने गए

3. स्वर्गीय श्री. केशव कछवा, रायसिंहनगर 26 वोट निर्वाचित

4. श्रीमती। इंदिरा जींगर, कोटा 24 वोट निर्वाचित

संयुक्त सचिव -

1. श. भरत असरी, जोधपुर 30 वोट चुने गए

2. श्री हीरा लाल सांखला, अजमेर 29 वोट चुने गए

3. श्री. नवीन जींगर, किशनगढ़ 28 वोट चुने गए

4. श्री. पवन सांखला, एलेनाबाद। 27 वोट चुने गए

मनोनीत **कार्यकारिणी** सदस्यों की सूची इस प्रकार है:

1. श. नरसिंह राम, बाड़मेर

2 श. सयार सिंह चौहान, जयपुर

3.श्री. गोविंद राम गोयल, बालोतरा

4 श. लोकेश परमार, उदयपुर

5.श्री. राजेश कुमार सोलंकी, गाजियाबाद

6 श. गोपाल निर्वाण, कोलकाता

7 श. बजरंग लाल खत्री, लखनऊ

8 श. गोपाल सोलंकी, भीलवाड़ा

9 श. नरेंद्र सांखला, जोधपुर

10 श. देव करण ढालिया, मुंबई

नये न्यासियों और नये दानदाताओं की लामबंदी के समय न्यास ने दानदाताओं के नैनों को काले ग्रेनाइट पत्थर पर सुनहरे शब्दों में उकेरा था। ट्रस्ट संपत्ति विकास में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए।

ट्रस्ट के पास उपलब्ध जगह के नवीनीकरण का काम पूरा हो गया है। अब जैसे ही कोविद -19 महामारी की स्थिति समाप्त हो जाएगी, ट्रस्ट अपनी योजना और तौर-तरीकों की घोषणा करेगा ताकि परीक्षा साक्षात्कार और कोचिंग आदि में उपस्थित होने वाले छात्रों के ठहरने के लिए जगह का उपयोग किया जा सके।

ट्रस्ट जल्द ही जीवन समाज के उपयोग के लिए 2-3 कमरों का निर्माण कर खुश होगा।

सादर और शुभकामनाओं के साथ,

विशेष रूप से न्यासियों और सामान्य रूप से जीवर समाज के सम्मान में प्रस्तुत किया गया।

पी.डी. सांखला

(एम) 9413566326

ई-मेल: jeengarpdsankhala@gmail.com

श्री। नवीन जींगर, दिल्ली जरूरतमंदों के लिए

को कॉपी:

माननीय राष्ट्रपति श्री. एसएस पवार और सचिव श्री एस.एस.एल. पंवार, उपरोक्त उपयुक्त स्थानों पर, विशेष रूप से निम्नलिखित घटनाओं में, सम्मिलित फोटोग्राफ प्राप्त करना पसंद कर सकते हैं।

1. चायल बंधुओं के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम।

2. लोकार्पण कार्यक्रम।

3. मुख्य समारोह का डायस, श्री द्वारा श्रोताओं को संबोधित करना। एसएस पवार, श्री. पी.डी. सांखला, कार्यक्रम का संचालन, श्री द्वारा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुति: एस.एल. पंवार, भामाशाह और न्यासी का सम्मान।

4. श्री द्वारा चुनाव का संचालन। एमएल सांखला और परिणामों की घोषणा।

5. श्री द्वारा शपथ दिलाना। एमएल सांखला को नवनिर्वाचित कार्यालय। वाहक।

6. कार्यपालिका आदि की प्रथम बैठक।